# शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में हिन्दी सप्ताह का समारंभ

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में हिंदी दिवस पर **हिंदी सप्ताह** (**14 से 21 सितम्बर 2020**) का समारंभ हुआ जिसमें संस्थान के सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री कैलाश चन्द गुप्ता, ने भारत के माननीय गृह मंत्री व भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिव के हिंदी दिवस के संदेशों का वाचन किया तथा संस्थान निदेशक श्री एम.आऱ बालोच, भा.व.से. की जारी अपील को भी पढ़ा गया। श्री गुप्ता ने 14 सितम्बर (हिंदी दिवस) को भारतीय भाषाओं के सौहार्द के रुप में महत्ता दिए जाने का जिक्र करते हुए संविधान में राजभाषा संबंधी किए गए प्रावधानों की जानकारी दी तथा सरकारी कामकाज में सामान्य शब्दों की जगह पारिभाषिक शब्दों के प्रयोग की बात कही। भारतीय अंकों के अन्तरराष्ट्रीय रुप को प्रयोग में लाने का उल्लेख करते हुए देवनागरी रुप के प्रयोग के संबंध में प्रावधान की जानकारी दी। हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी राजभाषा बोध, हिंदी टिप्पण- आलेखन, हिंदी टंकण व काव्य पाठ प्रतियोगिताओं के आयोजन की जानकारी दी।

डा. इन्द्रदेव आर्य, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी भाषा में ही बात को सही ढंग से व्यक्त करते की क्षमता है। हम हिंदी भाषी हैं इसलिए हमारे लिए हिंदी का प्रयोग सहज रहता है। उन्होंने राजभाषा हिंदी पर उपयोगी जानकारी संबंधी व्याख्यान समय –समय पर आयोजित

किए जाने का प्रस्ताव करते हुए कहा कि इससे महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है तथा जानकारी अपडेट होती रहती है।

आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डा. जी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने इस अवसर पर कहा कि हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए तथा प्रयास हों कि अधिकाधिक संवाद व लेखन अपनी भाषा में ही हों। उन्होंने कई देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वे देश अपनी राजभाषा में ही सभी कार्य करते हैं तथा विकसित देशों की श्रेणी में खड़े हैं। हमारा देश बहुभाषी है जिनमें हिंदी सम्पर्क भाषा का काम कर रही है।

संस्थान निदेशक एम.आऱ बालोच, भा.व.से. ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश की भाषाएं संस्कृत से प्रभावित हैं तथा संस्कृत के शब्द उनमें समाहित हैं। भाषाओं की लिपि में कमोबेश बदलाव होता है। भाषा का प्रभाव संस्कृति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने संस्थान में हो रहे हिंदी कामकाज की सराहना करते हुए सभी को अपनी भाषा से जुड़ाव रखने को कहा तथा सरकारी कार्यों में राजभाषा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। हिंदी सप्ताह के आयोजन की निदेशक महोदय ने अधिकारिक घोषणा की तथा सप्ताह के दौरान तथा हर दिन अपना कामकाज हिंदी में करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान अजय वशिष्ठ, क॰ अनुवादक ने सहयोग किया एवं कार्यक्रम के अन्त में सहायक निदेशक (राजभाषा) ने सभी का आभार ज्ञापित किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार द्वारा जारी **कोविड-19** से संबंधित आवश्यक दिशा- निर्देशों का पालन किया गया।